अभ्यास प्रश्न पत्र

1. संयुक्त व्यंजन और संयुक्ताक्षर में अंतर स्पष्ट कीजिए। 3

दो भिन्न व्यंजनों के योग से बने नए व्यंजन वर्ण संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। क्ष, त्र, ज्ञ तथा श्र संयुक्त व्यंजन हैं।

जब दो अलग-अलग व्यंजन मिलें तो उस मिले हुए रूप को संयुक्ताक्षर कहते हैं – भक्त, प्रार्थना, शक्ति इत्यादि।

2. पंचमाक्षर नियम से आप क्या समझते हैं? लिखिए। 3

वर्ग के अंतिम अथवा पाँचवें वर्ण को पंचम वर्ण कहते हैं। किसी वर्ग के व्यंजन के पूर्व उसी वर्ग का पंचम वर्ण आने पर पंचम (वर्ण) अनुस्वार (बिंदु) के रूप में अपने पूर्व वर्ण के ऊपर लग जाता है; जैसे – गङ्गा = गंगा – ङ् (क वर्ग का पंचम वर्ण) वर्ग के ही तीसरे वर्ण 'ग' के पूर्व आया है, अतः ङ् (पंचम वर्ण) अपने वर्ण के ऊपर बिंदु के रूप में लग गया। इसी प्रकार चञ्चल = चंचल, मन्दिर = मंदिर, पङ्कज = पंकज आदि।

3. रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्दों के दो-दो उदाहरण देते हुए तीनों में अंतर स्पष्ट कीजिए। 3

रूढ़ शब्द – जो शब्द किसी एक अर्थ या वस्तु के लिए रूढ़ हो जाते हैं, वे रूढ़ शब्द कहलाते हैं। जैसे – जल, नल, हल, फल इत्यादि।

यौगिक शब्द – ये वे शब्द होते हैं जो दो या दो से अधिक मूल शब्दों के योग से बनते हैं। जैसे – बैलगाड़ी, रेलमंत्री, क्रीड़ास्थल इत्यादि।

योगरूढ़ शब्द – जो यौगिक शब्द किसी एक चीज़ या व्यक्ति के लिए रूढ़ हो जाते हैं, योगरूढ़ शब्द कहलाते हैं। जैसे – दशानन, नीलकंठ, चतुर्भुज इत्यादि।

4. द्रव्यवाचक और समुदायवाचक संज्ञा के दो-दो उदाहरण दीजिए। 2

द्रव्यवाचक संज्ञा – ऐसी जातिवाचक संज्ञाएँ जो पदार्थ (ठोस या तरल) के रूप में होती हैं और जिन्हें नापा या तोला जा सकता है, द्रव्यवाचक संज्ञाएँ कहलाती हैं; जैसे– सोना, चाँदी, लोहा, पीतल, मिट्‌टी इत्यादि।

समुदायवाचक संज्ञा – किसी समूह का बोध कराने वाले संज्ञा शब्द समुदायवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे – सेना, कक्षा, भीड़ आदि।

5. निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन का उचित विकल्प चुनिए। 3

सम्राट –	सम्राटिनी ☐	रानी ☐	सम्राज्ञी ☑
विद्वान –	विद्वानी ☐	विदुषी ☑	समझदार ☐

कवि – कविता	☐	कवयित्री	☑	गीतकार	☐	

6. **निम्नलिखित रंगीन पदों के कारक के उचित नाम का चयन कीजिए।** 3

(क) घर **में** खुशहाली अच्छी लगती है।	कर्म	☐	अधिकरण	☑
(ख) आपको उससे **पुस्तक** लेनी है।	कर्ता	☐	कर्म	☑
(ग) **राधिका** फल खाती है।	कर्म	☐	कर्ता	☑

7. **सर्वनाम कब सार्वनामिक विशेषण बन जाते हैं? लिखिए।** 2

जब सर्वनाम संज्ञा से पहले लगकर संज्ञा की विशेषता बताते हैं तो वे सार्वनामिक विशेषण बन जाते हैं।

8. **परिमाणवाचक विशेषण और संख्यावाचक विशेषण में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।** 2

विशेषण संख्यावाचक है या परिमाणवाचक, इसका निर्णय संज्ञा के आधार पर होता है। यदि संज्ञा गिनने योग्य है, तो संख्यावाचक विशेषण होगा और यदि संज्ञा नापने-तोलने योग्य है, तो विशेषण परिमाणवाचक होगा। जैसे – कुछ लोग उधर चले गए हैं। (संख्यावाचक) थोड़ी चीनी बिखर गई है। (परिमाणवाचक)

9. **निम्नलिखित क्रिया पदों की उचित धातु का चयन कीजिए।** 3

चलना – चलो	☐	चाल	☐	चल	☑
पढ़ना – पढ़ाई	☐	पढ़ो	☐	पढ़	☑
चढ़ना – चढ़	☑	चढ़ता	☐	चढ़िए	☐

10. **भूतकाल के भेदों के नाम लिखिए।** 3

भूतकाल के छह भेद हैं– सामान्य भूतकाल, आसन्न भूतकाल, पूर्ण भूतकाल, अपूर्ण भूतकाल, संदिग्ध भूतकाल, हेतुहेतुमद् भूतकाल।

11. **समुच्चयबोधक और संबंधबोधक में क्या अंतर है? उदाहरण देकर अंतर स्पष्ट कीजिए।** 3

जो शब्द दो शब्दों, शब्द समूहों, वाक्यों या उपवाक्यों को जोड़ता है, वह समुच्चयबोधक कहलाता है। इसे योजक भी कहा जाता है; जैसे– सचिन **और** रोहित में गहरी मित्रता है।

जो शब्द संबंध कारक चिह्न के साथ प्रयुक्त होकर, वाक्य के संज्ञा-सर्वनाम का संबंध दूसरे शब्दों से बताए, वह संबंधबोधक कहलाता है; जैसे– राजू घर **के बाहर** खड़ा है।

12. निम्नलिखित विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए। 4

पूर्ण विराम – मैं घर जा रहा हूँ।

अल्प विराम – चोरी करना, झूठ बोलना, अपशब्द बोलना ये सभी गलत बातें हैं।

कोष्ठक – राम (दशरथ पुत्र) ने रावण को मारा।

लाघव चिह्न – डॉ॰ भल्ला बहुत अच्छे इनसान हैं।

13. (क) पर्यायवाची लिखिए। **3**

सोना **स्वर्ण** हाथ **हस्त** झंडा **ध्वज**

(ख) विलोम लिखिए। **3**

उपयोगी × **अनुपयोगी** जन्म × **मृत्यु** आदि × **अंत**

(ग) अर्थ लिखिए। **2**

अवधि **काल, समय** अंबर **आकाश, वस्त्र**

अवधी **अवध की भाषा** अंबार **ढेर**

14. निम्नलिखित के सही संधि-विच्छेदों को पहचानिए। 3

निष्काम	–	निष् + काम	☐	निः + काम	✓
अत्यधिक	–	अति + अधिक	✓	अत्य + अधिक	☐
अत्यंत	–	अत् + अंत	☐	अति + अंत	✓

15. (क) निम्नलिखित समस्तपदों के विग्रह के आधार पर समास के उचित नाम को पहचानिए। **3**

दशानन	– दस आननों का समूह	बहुब्रीहि	☐	द्विगु	✓
राजकुमार	– राजा का कुमार	तत्पुरुष	✓	द्वंद्व	☐
नीलकंठ	– नीला कंठ	बहुब्रीहि	☐	कर्मधारय	✓

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग, प्रत्यय और मूल शब्द अलग कीजिए। **2**

		उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
अस्वाभाविक	–	**अ**	**स्वभाव**	**इक**
बेशर्मी	–	**बे**	**शर्म**	**ई**

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य की पहचान कीजिए। **2**

लड़कियाँ ज्ञान अर्जित कर रही हैं	– कर्तृवाच्य	✓	कर्मवाच्य	☐
उसने लकड़ियाँ तोड़ दीं।	– कर्मवाच्य	☐	कर्तृवाच्य	✓

16. निम्नलिखित वाक्यों को यदि वे अशुद्ध हैं तो शुद्ध रूप में पुनः लिखिए। **2**

(क) मेरे माता जी घर पर नहीं हैं। **मेरी माता जी घर पर नहीं हैं।**

(ख) उसे गरम भैंस का दूध चाहिए। **उसे भैंस का गरम दूध चाहिए।**

17. अर्थ के आधार पर वाक्य भेद की पहचान कीजिए। **2**

आप कल घर पर नहीं रहेंगे। –	आज्ञावाचक	✓	इच्छावाचक	☐
बाहर बारिश हो रही है। –	विस्मयवाचक	☐	विधानवाचक	✓

18. रचना के आधार पर वाक्य-परिवर्तन कीजिए। **2**

मैं पढ़ना चाहती हूँ। – मिश्र वाक्य

मैं पढ़ना चाहती हूँ क्योंकि मुझे पढ़ना अच्छा लगता है

श्वेता और मैं अलग-अलग घरों में रहते हैं। – संयुक्त वाक्य

श्वेता और मैं अलग है इसलिए अलग-अलग घरों में रहते हैं।

19. निम्नलिखित मुहावरे-लोकाक्ति के आधार पर वाक्य बनाइए। **2**

नाच न जाने आँगन टेढ़ा

रवि को शतरंज खेलना तो आता नहीं है, हार गया तो अब दूसरों को दोष दे रहा है। यह तो वही बात हुई नाच न जाने आँगन टेढ़ा।

घर का भेदी लंका ढाए

आजकल पुराने नौकर पर भी विश्वास नहीं करना चाहिए क्योंकि सुना तो होगा घर का भेदी लंका ढाए।

20. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **1× 5**

निर्भय होकर घोषित करते
जो अपने उद्गार-विचार।
जिनकी जिह्वा पर होता है
उनके अंतर का अंगार।
नहीं जिन्हें चुप कर सकती है
आततायियों की शमशीर।
मैं हूँ उनके साथ खड़ी जो
सीधी रखते अपनी रीढ़।

नहीं झुका करते जो दुनिया
से करने को समझौता।
ऊँचे-से-ऊँचे सपनों को
देते रहते जो न्योता।
दूर देखती जिनकी पैनी
आँख भविष्यत् का तम चीर।
मैं हूँ उनके साथ खड़ी जो
सीधी रखते अपनी रीढ़।

(क) **रीढ़ सीधी रखने का क्या तात्पर्य है?**

रीढ़ सीधी रखने से तात्पर्य निडर, आत्मविश्वासी और मेहनती लोगों से है।

(ख) **जिह्वा पर अंतर का अंगार रखने का अर्थ स्पष्ट कीजिए।**

जिह्वा पर अंतर का अंगार रखने का अर्थ है कथनी और करनी समान होना। बिना डरे अपनी बात कहना।

(ग) **भविष्यत् का तम चीर कर देखने से आप क्या समझते हैं?**

भविष्य में आने वाली कठिनाइयों का सामना करना तथा विजय प्राप्त करना।

(घ) **विलोम शब्द दीजिए– तम, दूर**

रोशनी, पास

(ङ) **'आततायी' और 'शमशीर' शब्दों के अर्थ लिखिए।**

आतंक मचाने वाला, तलवार

21. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 × 5

कुछ देर बाद, अपने मित्र–संबंधियों को खोजते हुए अमृतसर के डरे–सहमे निवासी बाग के अंदर घुसे। पर शीघ्र ही रात पड़ गई। वे अँधेरे में कैसे अपने प्रियजनों को ढूँढ़ पाते? विशेष रूप से जब जगह–जगह लाशों के ढेर पड़े थे। फिर 8 बजे के बाद कोई बाहर नहीं निकल सकता था। कुछ लोगों को तो अपने संबंधी मिल गए और वे उन्हें वहाँ से उठा ले गए, पर 8 बजते ही, सभी लोग बाग से निकल आए और ज़ख्मी लोग बाग के खुले मैदान में ही कराहते पड़े रहे। कहते हैं कि एक हज़ार के करीब ज़ख्मी लोग रातभर जलियाँवाला बाग में ही पड़े रहे। कुछ का तो इतना खून बह गया था कि सुबह तक ज़िंदा ही नहीं रह पाए...।

पर जनरल डायर अभी भी संतुष्ट नहीं था। उस दिन, रात के दस बजे, फ़ौजी टुकड़ी को साथ लेकर वह फिर से शहर में मार्च करता हुआ निकला, यह देखने के लिए कि रात 8 बजे के बाद कोई आदमी अमृतसर की सड़कों पर घूम तो नहीं रहा है, कि 'मेरे हुक्म की तामील हुई है या नहीं। उसके अपने शब्दों में, "सड़कें सुनसान पड़ी थीं, चारों ओर सन्नाटा था। एक आदमी भी देखने को नहीं मिल रहा था।"

(क) **आपके विचार से यहाँ किस घटना का वर्णन किया गया है?**

यहाँ पर 'जलियाँवाला बाग हत्याकांड' की घटना का वर्णन किया गया है।

(ख) **आठ बजे के बाद किसका क्या हुक्म था?**

जनरल डायर का हुक्म था कि आठ बजे के बाद कोई घर से बाहर नहीं निकलेगा।

(ग) **लगभग कितने लोग रातभर ज़ख्मी पड़े रहे?**

लगभग एक हज़ार लोग रातभर ज़ख्मी पड़े रहे।

(घ) **जनरल डायर अभी भी संतुष्ट क्यों नहीं था?**

जनरल डायर संतुष्ट नहीं था क्योंकि वह देखना चाहता था कि उसके आदेश का पालन हुआ या नहीं।

(ङ) **'हुक्म' और 'फ़ौजी' शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए।**

आदेश, सैनिक